13/9/2023

राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) द्वारा महिला उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

रायबरेली ।राष्ट्रीय महिला आयोग और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान,अहमदाबाद पूरे भारत वर्ष में संभावित महिला उद्यमियों के लिए 100 उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित का आयोजन कर रहे है ।इसी क्रम में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के उत्तर क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ द्वारा एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन विस्वास संस्थान रायबरेली में किया गया आज किया गया ।कार्यक्रम का शुभारम्भ वक्ताओ द्वारा दीप प्रज्वलन एवं स्वागत उद्बोधन के साथ हुआद्य राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के जिला विकास अधिकारी (डीडीएम) रवि शंकर , जिला उद्योग केंद्र के प्रबंधक रण विजय सिंह, फिरोज गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर एंड टेक्नोलॉजी से प्रोफेसर डॉ मल्लिका त्रिपाठी एवम डॉ शिल्पी ऋषि,विस्वास संस्थान से विपिन बाजपाई, एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान से परियोजना अधिकारी अभिषेक नंदन ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में उद्यम के मुख्य विषय जैसे उद्यमी के गुण, उद्यमी बनने के फायदे, उद्यम अवसर की पहचान एवं चयन, उद्यम स्थापना प्रक्रिया, समस्या समाधान, मार्केटिंग, किस कार्य के लिए किससे मिले इत्यादि और सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओ की जानकारी दी गयी। रवि शंकर ने नाबार्ड की महिला उध्मिता पर जोर देते हुए इसे महत्वपूर्ण बताया और विभिन्न परियोजनाओ की चर्चा एवम संवाद किया। रायबरेली जिला उद्योग

केंद्र के प्रबंधक द्वारा जनपद में संचालित योजनाओ जैसे प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना (पीएम्ईजीपी) के बारे में विस्तृत जानकारी दिया और योजना की पात्रता, ऋण की सीमा और आवेदन प्रक्रिया, विभागीय सहायता एवं कौन कौन से कार्य योजना में नहीं शामिल हो सकते है की पूरी जानकारी दी इसके अलावा अन्य संचालित योजनाओ जैसे ओडीओपी, मुख्यमंत्री युवा स्वा रोजगार योजना विस्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, हस्त शिल्प पेंशन योजना इत्यादि के बारे में जानकारी दिया और मोबाइल ऐप उद्यम सारथी की महत्ता बताई। अभिषेक नंदन ने भाग लेने वाली महिलाओं को उद्यम को करियर का प्रथम विकल्प अपनाने पर जोर दिया । विश्वास संस्थान से विकास बाजपाई ने प्रतिभागियो को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यक्रम से जनपद में महिला उद्यमियों में जागरूकता आयेगी और वे बेहतर कौशल विकास और उद्यमी बनने के बारे में जरूर आगे बढ़ेगी ।उन्होंने कहा कि वर्तमान में महिलाएं हमारे समाज की रीढ़ हैं महिलाओं के नेतृत्व में कई उधमो का विकास बड़े पैमाने पर हो रहा है स्वयं सहायता समूह से जुडी महिलाएं काफी आगे बढ़ रही है। कार्यक्रम में क्षेत्र की 60 से अधिक महिलाओं ने प्रतिभाग किया। सभी को ट्रेनिग किट वितरित की गई। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) के बारे में ईडीआईआई 1983 में आईडीबीआई बैंक लिमिटेड और अन्य वित्तीय संस्थानों द्वारा स्थापित एक अखिल भारतीय संस्थान हैं जो उद्यमिता विकास, प्रशिक्षण, शिक्षा और अनुसंधान एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के क्षेत्र में एक नेशनल रिसोर्स आर्गेनाइजेशन है ।संस्थान को गुजरात सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में भी सूचीबद्ध किया गया है ।यह अहमदाबाद स्थित अपने प्रधान कार्यालय तथा देश भर में सात क्षेत्रीय कार्यालयों तैतीस शाखाध्परियोजना कार्यालयों द्वारा संचालित हो रहा है और संस्थान द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कंबोडिया, लाओस, म्यांमार, वियतनाम, उज्बेकिस्तान और रवांडा में उद्यमिता विकास केंद्र स्थापित किए हैं।